MICROFINANCE INSTITUTIONS NETWORK

Media Coverage Report

Case Study: Centrum Microcredit: Boosting Micro-Entrepreneurs in Chhattisgarh

Region: Chhattisgarh

Media Coverage Index

S. No.	Date	Publication Name	Edition
1.	16.12.2020	Amrit Sandesh	Raipur
2.	16.12.2020	Ispat Times	Raipur
3.	16.12.2020	Prakhar Samachar	Raipur
4.	17.12.2020	Amanpath	Raipur
5.	16.12.2020	Evening Times	Raipur
6.	16.12.2020	Tarun Chhattisgarh	Raipur
7.	16.12.2020	Dabang Dunia	Raipur
8.	16.12.2020	Samvet Shikhar	Raipur

Publication	Amrit Sandesh
Edition	Raipur
Date	16th December, 2020
Page No.	09

सेंट्रम माइक्रोफाइनेंस: छत्तीसगढ़ के छोटे उद्यमियों को बढ़ावा देता हुआ

रायपुर, 15 दिसंबर (असं)। उद्यमी बनकर आर्थिक स्वतंत्रता पाने का सपना देखनेवाली महिलाओं के जीवन सुधारने में माइक्रोफाइनेंस अहम् भूमिका निभा रहा है. छतीसगढ़ के बिलासपुर जिले की निवासी मनीषा साहू के उत्कर्ष की कहानी भी कुछ अलग नहीं है. उनके पति चश्मे के कारखाने में कम करते थे. उनकी अल्प आय, चार सदस्यों के परिवार की बढती जरूरतें पूरी नहीं कर पाती थी. परिवार बड़ी मुश्किल से कुछ बचत कर पाता. इसकी वजह से उनके बच्चों की पढाई में भी कठिनाइयाँ आती थी. अतिरिक्त आय जुटाकर परिवार की मदद के लिए मनीषा को सिलाई कढ़ाई जैसे छोटे मोटे काम करने पड़ते थे.

परिवार के चुनौतीभरे आर्थिक संकटसे गुजर रहा था, तब जीवन ने एक अप्रत्याशित सकारात्मक मोड़ लिया. एक साल पहले, मनीषा ने इलाके की कुछ महिलाओं के बारे में सुना, जिन्होंने एकसाथ मिलकर एक गुट बनाकर कर्जा लिया और अपना व्यवसाय शुरू किया. वह उस गुट की सदस्योंसे मिली और उनके जरिये सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के कर्ज अधिकारी से संपर्क किया. जिन्होंने संयुक्त देयता सामूहिक कर्ज और उससे होनेवाले लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी दी. कुछ दिनों तक परिवार और मित्रों के साथ चर्चाओं का दौर चला, जिसके बाद उन्होंने एक कर्जदाता गुट के साथ जुड़ने का निर्णय लिया और अपना पहला 60,000 रुपयों का कर्जा लिया. इस कर्ज राशी से उन्होंने कागज की प्लेटें बनाने की मशीन तथा जरुरी कच्चा माल खरीदा. उन्होंने मशीन अपने घर पर ही बिठाई ताकि काम करते वक्त वह अपने बच्चों का भी ध्यान रख सके. धीरे धीरे व्यवसाय बढ़ने लगा और वह आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो गयी और अपने परिवार का सहारा बनी. उनके व्यवसाय तथा अतिरिक्त आय के मौके उनके जीवन में खुशियाँ और आशाएं लेकर आये है.

आज मनीषा और उनका परिवार समाज में सम्मान की जिंदगी बिता रहे है. उन्हें खुशी है के वह एक सफल उद्योजिका बन गयी है और साथ ही एक माँ के रूप में अपनी जिम्मेदारियां भी निभा सकती है. जरुरत के समय अन्य महिलाओं किओ तरह उसे मदद करने के लिए वह सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट की ऋणी तथा आभारी है. अपनी सफलता का श्रेय सेंट्रम माइक्रोफाइनेंस को देते हुए मनीषा कहती है, मेरे सपने पुरे करने और मेरे जीवन बड़ा बदलाव लेन में मेरी मदद करने के लिए मैं सेंट्रम माइक्रोफाइनेंस के आभारी हूँ. मैं अपना व्यवसाय और बढ़ाना चाहती हूँ और यह महामारी खतम होने के बाद बच्चों की अच्छी स्कुल में भेजना चाहती हूँ.

Publication	Ispat Times
Edition	Raipur
Date	16th December, 2020
Page No.	04

सेंट्रम माइक्रोफाइनेंस : छतीसगढ़ के छोटे उद्यमियों को बढ़ावा देता हुआ

रायपुर। उद्यमी बनकर आर्थिक स्वतंत्रता पाने का सपना देखनेवाली महिलाओं के जीवन सुधारने में माइक्रोफाइनेंस अहम् भूमिका निभा रहा है. छतीसगढ़ के बिलासपुर जिले की निवासी मनीषा साहू के उत्कर्ष की कहानी भी कुछ अलग नहीं है.

उनके पति चश्मे के कारखाने में कम करते थे. उनकी अल्प आय, चार सदस्यों के परिवार की बढती जरूरतें पूरी नहीं कर पाती थी. परिवार बड़ी मुश्किल से कुछ बचत कर पाता. इसकी वजह से उनके बच्चों की पढाई में भी कठिनाइयाँ आती थी. अतिरिक्त आय जुटाकर परिवार की मदद के लिए मनीषा को सिलाई कढ़ाई जैसे छोटे मोटे काम करने पड़ते थे.

परिवार के चुनौतीभरे आर्थिक संकटसे गुजर रहा था, तब जीवन ने एक अप्रत्याशित सकारात्मक मोड़ लिया. एक साल पहले, मनीषा ने इलाके की कुछ महिलाओं के बारे में सुना, जिन्होंने एकसाथ मिलकर एक गुट बनाकर कर्जा लिया और अपना व्यवसाय शुरू किया. वह उस गुट की सदस्योंसे मिली और उनके जरिये सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के कर्ज अधिकारी से संपर्क किया. जिन्होंने संयुक्त देयता सामूहिक कर्ज और उससे होनेवाले लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी दी.

कुछ दिनों तक परिवार और मित्रों के साथ चर्चाओं का दौर चला, जिसके बाद उन्होंने एक कजर्दाता गुट के साथ जुड़ने का निर्णय लिया और अपना पहला 60,000 रुपयों का कर्जा लिया. इस कर्ज राशी से उन्होंने कागज की प्लेटें बनाने की मशीन तथा जरुरी कच्चा माल ख़रीदा. उन्होंने मशीन अपने घर पर ही बिठाई ताकि काम करते वक्त वह अपने बच्चों का भी ध्यान रख सके.

धीरे धीरे व्यवसाय बढ़ने लगा और वह आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो गयी और अपने परिवार का सहारा बनी. उनके व्यवसाय तथा अतिरिक्त आय के मौके उनके जीवन में खुशियाँ और आशाएं लेकर आये है.

आज मनीषा और उनका परिवार समाज में सम्मान की जिंदगी बिता रहे है. उन्हें ख़ुशी है के वह एक सफल उद्योजिका बन गयी है और साथ ही एक माँ के रूप में अपनी जिम्मेदारियां भी निभा सकती है. जरुरत के समय अन्य महिलाओं किओ तरह उसे मदद करने के लिए वह सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट की ऋणी तथा आभारी है. अपनी सफलता का श्रेय सेंट्रम माइक्रोफाइनेंस को देते हुए मनीषा कहती है, ह्लमेरे सपने पुरे करने और मेरे जीवन बड़ा बदलाव लेन में मेरी मदद करने के लिए मैं सेंट्रम माइक्रोफाइनेंस के आभारी हूँ. मैं अपना व्यवसाय और बढ़ाना चाहती हूँ और यह महामारी ख़तम होने के बाद बच्चों की अच्छी स्कुल में भेजना चाहती हूँ.ह्ल

Publication	Prakhar Samachar
Edition	Raipur
Date	16th December, 2020
Page No.	10

सेंट्रम माइक्रो फाइनेंस : छतीसगढ़ के छोटे उद्यमियों को दे रहा बढ़ावा

रायपुर (प्रखर)। उद्यमी बनकर आर्थिक स्वतंत्रता पाने का सपना देखनेवाली महिलाओं के जीवन सुधारने में माइक्रोफाइनेंस अहम् भूमिका निभा रहा है। छतीसगढ़ के बिलासपुर जिले की निवासी मनीषा साहू के उत्कर्ष की कहानी भी कुछ अलग नहीं है।

उनके पति चश्मे के कारखाने में कम करते थे। उनकी अल्प आय, चार सदस्यों के परिवार की बढती जरूरतें पूरी नहीं कर पाती थी। परिवार बड़ी मुश्किल से कुछ बचत कर पाता। इसकी वजह से उनके बच्चों की पढाई में भी कठिनाइयाँ आती थी। अतिरिक्त आय जुटाकर परिवार की मदद के लिए मनीषा को सिलाई कड़ाई जैसे छोटे मोटे काम करने पड़ते थे।

परिवार के चुनौतीभरे आर्थिक संकटसे गुजर रहा था, तब जीवन ने एक अप्रत्याशित सकारात्मक मोड़ लिया। एक साल पहले, मनीषा ने इलाके की कुछ महिलाओं के बारे में सुना, जिन्होंने एकसाथ मिलकर एक गुट बनाकर कर्जा लिया और अपना व्यवसाय शुरू किया। वह उस गुट की सदस्योंसे मिली और उनके जरिये सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के कर्ज अधिकारी से संपर्क किया। जिन्होंने संयुक्त देयता सामूहिक कर्ज और उससे होनेवाले लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कुछ दिनों तक परिवार और मित्रों के साथ चर्चाओं का दौर चला, जिसके बाद उन्होंने एक कर्जदाता गुट के साथ जुड़ने का निर्णय लिया और अपना पहला 60,000 रुपयों का कर्जा लिया। इस कर्ज राशी से उन्होंने कागज की प्लेटें बनाने की मशीन तथा जरुरी कच्चा माल खरीदा। उन्होंने मशीन अपने घर पर ही बिठाई ताकि काम करते वक्त वह अपने बच्चों का भी ध्यान रख सके।

धीरे धीरे व्यवसाय बढ़ने लगा और वह आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो गयी और अपने परिवार का सहारा बनी। उनके व्यवसाय तथा अतिरिक्त आय के मौके उनके जीवन में खुशियाँ और आशाएं लेकर आये है।

आज मनीषा और उनका परिवार समाज में सम्मान की जिंदगी बिता रहे है। उन्हें खुशी है के वह एक सफल उद्योजिका बन गयी है और साथ ही एक माँ के रूप में अपनी जिम्मेदारियां भी निभा सकती है। जरुरत के समय अन्य महिलाओं किओ तरह उसे मदद करने के लिए वह सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट की ऋणी तथा आभारी है।

अपनी सफलता का श्रेय सेंट्रम माइक्रोफाइनेंस को देते हुए मनीषा कहती है, मेरे सपने पुरे करने और मेरे जीवन बड़ा बदलाव लेन में मेरी मदद करने के लिए मैं सेंट्रम माइक्रोफाइनेंस के आभारी हूँ। मैं अपना व्यवसाय और बढ़ाना चाहती हूँ और यह महामारी खतम होने के बाद बच्चों की अच्छी स्कुल में भेजना चाहती हूँ।

Publication	Amanpath
Edition	Raipur
Date	17th December, 2020
Page No.	10

छत्तीसगढ़ के छोटे उद्यमियों को बढ़ावा देता सेंट्रम माइक्रोफाइनेंस

रायपुर। उद्यमी बनकर आर्थिक स्वतंत्रता पाने का सपना देखनेवाली महिलाओं के जीवन सुधारने में माइक्रोफाइनेंस अहम् भूमिका निभा रहा है. छतीसगढ़ के बिलासपुर जिले की निवासी मनीषा साहू के उत्कर्ष की कहानी भी कुछ अलग नहीं है. उनके पति चश्मे के कारखाने में कम करते थे. उनकी अल्प आय, चार सदस्यों के परिवार की बढती जरूरतें पूरी नहीं कर पाती थी. परिवार बड़ी मुश्किल से कुछ बचत कर पाता. इसकी वजह से उनके बच्चों की पढाई में भी कठिनाइयाँ आती थी. अतिरिक्त आय जुटाकर परिवार की मदद के लिए मनीषा को सिलाई कढ़ाई जैसे छोटे मोटे काम करने पड़ते थे. परिवार के चुनौतीभरे आर्थिक संकटसे गुजर रहा था, तब जीवन ने एक अप्रत्याशित सकारात्मक मोड़ लिया. एक साल पहले, मनीषा ने इलाके की कुछ महिलाओं के बारे में सुना, जिन्होंने एकसाथ मिलकर एक गुट बनाकर कर्जा लिया और अपना व्यवसाय शुरू किया. वह उस गुट की सदस्यासे मिली और उनके जरिये सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के कर्ज अधिकारी से संपर्क किया. जिन्होंने संयुक्त देयता सामूहिक कर्ज और उससे होनेवाले लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी दी. कुछ दिनों तक परिवार और मित्रों के साथ चचाओं का दौर चला, जिसके बाद उन्होंने एक कर्जदाता गुट के साथ जुड़ने का निर्णय लिया और अपना पहला 60,000 रुपयों का कर्जा लिया. इस कर्ज राशी से उन्होंने कागज की प्लेटें बनाने की मशीन तथा जरुरी कच्चा माल खरीदा. उन्होंने मशीन अपने घर पर ही बिठाई ताकि काम करते वक्त वह अपने बच्चों का भी ध्यान रख सके।

धीरे धीरे व्यवसाय बढ़ने लगा और वह आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो गयी और अपने परिवार का सहारा बनी. उनके व्यवसाय तथा अतिरिक्त आय के मौके उनके जीवन में खुशियाँ और आशाएं लेकर आये है।

Publication	Evening Times
Edition	Raipur
Date	16th December, 2020
Page No.	03

कागज की प्लेट से जीवन संवार रही मनीषा

बिलासपुर। उद्यमी बनकर आर्थिक स्वतंत्रता पाने का सपना देखनेवाली महिलाओं के जीवन सुधारने में माइक्रोफाइनेंस अहम् भूमिका निभा रहा है. छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले की निवासी मनीषा साहू के उत्कर्ष की कहानी भी कुछ अलग नहीं है.

उनके पति चश्मे के कारखाने में कम करते थे. उनकी अल्प आय, चार सदस्यों के परिवार की बढ़ती जरूरतें पूरी नहीं कर पाती थी. परिवार बड़ी मुश्किल से कुछ बचत कर पाता. इसकी वजह से उनके बच्चों की पढ़ाई में भी कठिनाइयाँ आती थी. अतिरिक्त आय जुटाकर परिवार की मदद के लिए मनीषा को सिलाई कढ़ाई जैसे छोटे मोटे काम करने पड़ते थे.

परिवार के चुनौतीभरे आर्थिक संकटसे गुजर रहा था, तब जीवन ने एक अप्रत्याशित सकारात्मक मोड़ लिया. एक साल पहले, मनीषा ने इलाके की कुछ महिलाओं के बारे में सुना, जिन्होंने एकसाथ मिलकर एक गुट बनाकर कर्जा लिया और अपना व्यवसाय शुरू किया. वह उस गुट की सदस्योंसे मिली और उनके जरिये सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के कर्ज अधिकारी से संपर्क किया. जिन्होंने संयुक्त देयता सामूहिक कर्ज और उससे होनेवाले लाभ के बारे में विस्तार से

- **सेंट्रम माइक्रो फाइनेंस से मिला सहारा**

जानकारी दी.

कुछ दिनों तक परिवार और मित्रों के साथ चर्चाओं का दौर चला, जिसके बाद उन्होंने एक कर्जदाता गुट के साथ जुड़ने का निर्णय लिया और अपना पहला 60,000 रुपयों का कर्जा लिया. इस कर्ज राशी से उन्होंने कागज की प्लेटें बनाने की मशीन तथा जरुरी कच्चा माल खरीदा. उन्होंने मशीन अपने घर पर ही बिठाई ताकि काम करते वक्त वह अपने बच्चों का भी ध्यान रख सके। धीरे धीरे व्यवसाय बढ़ने लगा और वह आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो गयी और अपने परिवार का सहारा बनी. उनके व्यवसाय तथा अतिरिक्त आय के मौके उनके जीवन में खुशियाँ और आशाएं लेकर आये है। आज मनीषा और उनका परिवार समाज में सम्मान की जिंदगी बिता रहे है. उन्हें खुशी है के वह एक सफल उद्योजिका बन गयी है और साथ ही एक माँ के रूप में अपनी जिम्मेदारियां भी निभा सकती है. जरुरत के समय अन्य महिलाओं किओ तरह उसे मदद करने के लिए वह सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट की ऋणी तथा आभारी है। अपनी सफलता का श्रेय सेंट्रम माइक्रोफाइनेंस को देते हुए मनीषा कहती है, मेरे सपने पुरे करने और मेरे जीवन बड़ा बदलाव लेन में मेरी मदद करने के लिए मैं सेंट्रम माइक्रोफाइनेंस के आभारी हूँ. मैं अपना व्यवसाय और बढ़ाना चाहती हूँ और यह महामारी खतम होने के बाद बच्चों की अच्छी स्कुल में भेजना चाहती हूँ।

Publication	Tarun Chhattisgarh
Edition	Raipur
Date	16th December, 2020
Page No.	5

छग के छोटे उद्यमियों को बढ़ावा

रायपुर, 16 दिसंबर। उद्यमी बनकर आर्थिक स्वतंत्रता पाने का सपना देखने वाली महिलाओं के जीवन सुधारने में माइक्रोफायनेंस अहम भूमिका निभा रहा है। बिलासपुर जिले की मनीषा साहू ने सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट से 60 हजार कर्जा लेकर मशीन से कागज की प्लेटें बनाने का काम शुरू किया। आज उसका व्यवसाय बढ़ गया है। उसके सपने पूरे हो गए हैं। वह अपना व्यवसाय बढ़ाना चाहती है। मनीषा के जीवन मं बड़ा बदलाव आ गया है।

Publication	Dabang Dunia
Edition	Raipur
Date	16th December, 2020
Page No.	06

छोटे उद्यमियों को बढ़ावा दे रहा सेंट्रम माइक्रोफाइनेंस

रायपुर। उद्यमी बनकर आर्थिक स्वतंत्रता पाने का सपना देखनेवाली महिलाओं के जीवन सुधारने में माइक्रोफाइनेंस अहम भूमिका निभा रहा है। छतीसगढ़ के बिलासपुर जिले की निवासी मनीषा साहू के उत्कर्ष की कहानी भी कुछ अलग नहीं है। एक साल पहले मनीषा ने इलाके की कुछ महिलाओं के बारे में सुना, जिन्होंने एकसाथ मिलकर एक समूह बनाकर कर्जा लिया और अपना व्यवसाय शुरू किया। वह उस समूह की सदस्यों से मिली और उनके जरिये सेंट्रम माइक्रो क्रेडिट के कर्ज अधिकारी से संपर्क किया। जिन्होंने संयुक्त देयता सामूहिक कर्ज और उससे होने वाले लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी दी। आज मनीषा और उनका परिवार समाज में सम्मान की जिंदगी बिता रहे है। उन्हें खुशी है के वह एक सफल उद्योजिका बन गयी है। अपनी सफलता का श्रेय सेंट्रम माइक्रोफाइनेंस को देते हुए मनीषा कहती है, मेरे सपने पुरे करने और मेरे जीवन बड़ा बदलाव लेन में मेरी मदद करने के लिए मैं सेंट्रम माइक्रोफाइनेंस के आभारी हूं।

Publication	Samvet Shikhar
Edition	Raipur
Date	16th December, 2020
Page No.	09

सेंट्रम माइक्रोइनेंस कंपनी छत्तीसगढ़ के छोटे उद्यमियों को बढ़ावा दे रही

रायपुर। उद्यमी बनकर आर्थिक स्वतंत्रता पाने का सपना देखनेवाली महिलाओं के जीवन सुधारने में माइक्रोफाइनेंस अहम् भूमिका निभा रहा है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले की निवासी मनीषा साहू के उत्कर्ष की कहानी भी कुछ अलग नहीं है।

उनके पति चश्मे के कारखाने में कम करते थे। उनकी अल्प आय, चार सदस्यों के परिवार की बढ़ती जरूरतें पूरी नहीं कर पाती थी। परिवार बड़ी मुश्किल से कुछ बचत कर पाता। इसकी वजह से उनके बच्चों की पढ़ाई में भी कठिनाइयां आती थी। अतिरिक्त आय जुटाकर परिवार की मदद के लिए मनीषा को सिलाई कढ़ाई जैसे छोटे मोटे काम करने पड़ते थे।

परिवार के चुनौतीभरे आर्थिक संकटसे गुजर रहा था, तब जीवन ने एक अप्रत्याशित सकारात्मक मोड़ लिया। एक साल पहले, मनीषा ने इलाके की कुछ महिलाओं के बारे में सुना, जिन्होंने एकसाथ मिलकर एक गुट बनाकर कर्जा लिया और अपना व्यवसाय शुरू किया। वह उस गुट की सदस्योंसे मिली और उनके जरिये सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के कर्ज अधिकारी से संपर्क किया। जिन्होंने संयुक्त देयता सामूहिक कर्ज और उससे होनेवाले लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कुछ दिनों तक परिवार और मित्रों के साथ चर्चाओं का दौर चला, जिसके बाद उन्होंने एक कर्जदाता गुट के साथ जुड़ने का निर्णय लिया और अपना पहला 60,000 रुपयों का कर्जा लिया। इस कर्ज राशी से उन्होंने कागज की प्लेटें बनाने की मशीन तथा जरुरी कच्चा माल ख़रीदा। उन्होंने मशीन अपने घर पर ही बिठाई ताकि काम करते वक्त वह अपने बच्चों का भी ध्यान रख सके।